विहीन समाज की स्थापना के लिए आवश्यक हो।

वेल्स → समाजवाद एक लोकतांत्रिक आंदोलन है जिसका उद्देश्य समाज में ऐसे आर्थिक संगठन का निर्माण करना है जो व्यक्ति को हर समय अधिकतम संभव न्याय स्वतंत्रता दे सके।"

- सर्वप्रथम समाजवाद शब्द के प्रयोग का श्रेय रॉबर्ट ओवन को जाता है।
- समुदाय, समानता, सहयोग, सामाजिक वर्ग तथा सामूहिक स्वामित्व आदि समाज के प्रमुख तत्व हैं।
- फूरियर समाजवादी थे

समाजवाद के प्रारम्भ → मार्क्स के पूर्व समाजवाद केवल आरंभिक व काल्पनिक अवस्था में था। अतः इसे कल्पनालोकीय समाजवाद (utopian Socialism) कहा जाता है।

- इसके बाद आधुनिक पूंजीवाद के विरुद्ध समाजवादी आंदोलन अनेक रूपस्वरूपों में उभरा।
- इनमें मार्क्स द्वारा विकसित 'क्रांतिकारी समाजवाद' सबसे महत्वपूर्ण व प्रचलित था जबकि सामयिक व स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर इसके अन्य स्वरूप जैसे गिल्ड समाजवाद, फेबियन समाजवाद आदि भी विद्यमान थे

कल्पनालोकीय समाजवाद → UTOPIAN SOCIALISM

- कल्पनालोकीय समाजवाद उन विचारकों का सिद्धांत था जो नैतिकता और आदर्शों पर आधारित समाज की कामना कर रहे थे, परंतु उनके पास इसे हासिल करने का कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं था,
- यही कारण था की कार्ल मार्क्स ने अपने से पूर्व के समाजवाद को कल्पनालोकीय समाजवाद कहा है
- मार्क्स का मानना था कि समाजवाद को लाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों और ऐतिहासिक वास्तविकताओं पर आधारित बदलाव की जरूरत है जिसे उन्होंने वैज्ञानिक समाजवाद कहा।

समाजवाद एक सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विचारधारा है जो उत्पादन, वितरण और विनिमय के साधनों के सामूहिक स्वामित्व और नियंत्रण की वकालत करती है।

यह पूंजीवाद के विपरीत है जहाँ इन आर्थिक गतिविधियों का स्वामित्व और नियंत्रण मुख्य रूप से निजी व्यक्तियों या निगमों द्वारा किया जाता है।

समाजवाद का लक्ष्य धन और आय की असमानता को कम करके, बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुँच सुनिश्चित करके और प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग को बढ़ावा देकर एक अधिक सामपूर्ण समाज बनाना है।

अर्थ एवं परिभाषाएँ →

सी॰ई॰एम॰ जोड — का कथन है "समाजवाद एक टोप की तरह है जिसे हर कोई पहन लेता है, और उसका मूल आकार कोई नहीं जानता है।

जी॰डी॰एच॰ कोल :- के अनुसार "समाजवाद एक आंदोलन भी है और विचारधारा भी।"

समाजवाद ऐसा सब कुछ करना चाहता है जो वर्ग-